बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार थे राजेश खन्ना

हिंदी फिल्म जगत में अपने अभिनय से लोगों को दीवाना बनाने वाले अभिनेता तो कई हुए और दर्शकों ने उन्हें स्टार कलाकार माना पर सत्तर के दशक में राजेश खन्ना पहले ऐसे अभिनेता के तौर पर अवतरित हुए जिन्हें दर्शको ने सुपर स्टार की उपाधि दी.

बचपन से ही था फिल्मों की ओर रुझान

पंजाब के अमृतसर में 29 दिसंबर 1942 को जन्में जतिन खन्ना उर्फ राजेश खन्ना का बचपन के दिनों से ही रूझान फिल्मों की और था और वह अभिनेता बनना चाहते थे हांलाकि उनके पिता इस बात के सत खिलाफ थे.राजेश खन्ना अपने करियर के शुरूआती दौर में रंगमंच से जुड़े और बाद में यूनाईटेड प्रोड्यूसर ऐसोसियिशेन द्वारा आयोजित ऑल इंडिया टैलेंट कान्टेस्ट में उन्होंने भाग लिया. जिसमें वह प्रथम चुने गये.राजेश खन्ना ने अपने सिने करियर की शुरूआत 1966 में चेतन आंनद की फिल्म आखिरी खत से की . वर्ष 1966 से 1969 तक राजेश खन्ना फिल्म इंडस्ट्री मे अपनी जगह बनाने के लिये संघर्ष करते रहे.

फिल्म आराधना ने बनाया स्टार

राजेश खन्ना के अभिनय का सितारा निर्माता-निर्देशक शक्ति सामंत की क्लासिकल फिल्म अराधना से चमका. बेहतरीन गीत-संगीत और अभिनय से सजी इस फिल्म की गोल्डन जुबली कामयाबी ने राजेश खन्ना को स्टार के रूप में स्थापित कर दिया. फिल्म अराधना की सफलता के बाद अभिनेता राजेश खन्ना शक्ति सामंत के प्रिय अभिनेता बन गये. बाद में उन्होंने राजेश खन्ना को कई फिल्मों में काम करने का मौका दिया. इनमें कटी पतंग, अमर प्रेम, अनुराग, , अजनबी, अनुरोध और आवाज आदि शामिल है .

फिल्म अराधना की सफलता के बाद राजेश खन्ना की छवि रोमांटिक हीरो के रूप में बन गयी. इस फिल्म के बाद निर्माता निर्देशकों ने अधिकतर फिल्मों में उनकी रूमानी छवि को भुनाया. निर्माताओं ने उन्हें एक कहानी के नायक के तौर पर पेश किया. जो प्रेम प्रसंग पर आधारित फिल्में होती थी. सत्तर के दशक में राजेश खन्ना लोकप्रियता के शिखर पर जा पहुंचे और उन्हें हिंदी फिल्म जगत के पहले सुपरस्टार होने का गौरव प्राप्त हुआ. यूं तो उनके अभिनय के कायल सभी थे लेकिन खासतौर पर टीनएज लड़कियों के बीच उनका क्रेज कुछ यादा ही दिखाई दिया. एक बार का वाकया है जब राजेश खन्ना बीमार पड़े तो दिल्ली के कॉलेज की कुछ लड़कियों ने उनके पोस्टर पर बर्फ की थैली रखी जिससे उनका बुखार जल्द उतर जाये.इतना ही नहीं लड़कियां उनकी इस कदर दीवानी थी कि उन्हें अपने खून से प्रेम पत्र लिखा करती थी और उससे ही अपनी मांग भर लिया करती थी.

म्यूजिक को जिंदगी मानतें हैं आयुष्मान

अभिनेता आयुष्मान खुराना बॉलीवुड में अलग तरह की फिल्में करने के लिए मशहूर हैं. फिल्म विक्की डोनर से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्मे दी हैं. हालांकि, विक्की डोनर के बाद अभिनेता की कई फिल्में फ्लॉप लिस्ट में भी शामिल हुई. अब अभिनेता ने अपने फिल्मी करियर को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं. आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है.

हाल ही में, आयुष्मान खुराना ने अपना नया सिंगल रिलीज किया था, जिसका नाम है रह जा. आयुष्मान ने न सिर्फ इस गाने को लिखा है, बल्कि इसे कंपोज भी किया है और गाया भी है, जिसमें हरजोत कौर को फीमेल वोकल्स का श्रेय दिया है. अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बिहाइंड द गीत वीडियो जारी किया, जिसमें इस गाने को बनाने के पीछे की झलक दिखाई गई.आयुष्मान से पूछा गया, आपके जीवन में संगीत का क्या महत्व है? इस पर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा, यह मेरा जीवन है. मैं संगीत के बिना काम नहीं कर सकता. मैं फिल्मों के बिना रह सकता हूं, लेकिन मैं संगीत के बिना नहीं रह सकता.आयुष्मान द्वारा लिखित, गाया गया सबसे लोकप्रिय गाना उनकी पहली फिल्म विक्की डोनर का पानी दा रंग है. इसके बाद उन्होंने रोहन सिप्पी की फिल्म नौटंकी साला में साडी गली आजा और तू ही तू गाना गाया. उनके कुछ और लोकप्रिय फिल्म ट्रैक हैं, दिल-ए-नादान और मोह मोह के धागे का रीप्राइज हारेया, मेरे लिए तुम काफी हो और फिल्म शुभ मंगल सावधान से अरे प्यार कर ले.

स्वाति शर्मा और मॉनसून

मॉनसून के प्रति अपने प्रेम और उसके मायने को बताया

मॉनसून का मौसम अक्सर सभी का पसंदीदा मौसम माना जाता है. चाहेंगे तुम्हें इतना में आशि की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री स्वाति शर्मा ने मॉनसून के प्रति अपने प्रेम और उसके मायने को साझा करते हुए कई मुख्य बातें बताई.

उन्होंने कहा मेरे लिए, बारिश के मौसम की सबसे अच्छी बात यह है कि मेरा जन्मदिन जुलाई में आता है. इसके अलावा, मुझे बारिश का मौसम बेहद पसंद है. चाहे मेरा मूड कैसा भी हो, बारिश हमेशा मुझे खुश कर देती है. यहां तक कि अगर पूरे साल बारिश हो, तो भी मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी.

चाहेंगे तुम्हें इतना शो की दमदार कहानी दर्शकों को अपनी ओर खींचती नज़र आ रही है. स्वाति शर्मा ने बताया, काश मैं बारिश का और अधिक आनंद ले पाती, लेकिन चाहेंगे तुम्हें इतना शो की शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल के कारण मुझे ज्यादा फ्री समय नहीं मिलता. जब भी मुझे किसी दिन छुट्टी मिलती है और बारिश हो रही होती है, तो मैं जरूर घर से बाहर निकलने की कोशिश करती हूं.

रेस 4' में काम करेंगे सलमान और सैफ अली

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और सैफ अली खान रेस 4 में काम करते नजर आ सकते हैं.

'रेस' एक एक्शन-क्राइम थ्रिलर फिल्म है. इसके अभी तक 3 पार्ट आ चुके हैं. फिल्म के पहले दो पार्ट में सैफ अली खान ने लीड रोल निभाया था और रेस 3 में सलमान खान नजर आए थे. अब इसके चौथे पार्ट यानी 'रेस 4' पर काम किया जा रहा है. कुछ दिनों पहले फिल्म के निर्माता रमेश तौरानी ने 'रेस 4' की शूटिंग और अन्य जानकारी शेयर की थी.

कहा जा रहा है कि 'रेस 4' में सलमान खान और सैफ अली खान नजर आ सकते हैं. दोनों कलाकार इस फिल्म में एक साथ काम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी उन्होंने स्क्रिप्ट पर मंजूरी नहीं दी है.

रोमांटिक थ्रिलर ड्रामा लेकर आ रही हैं तापसी

आपको हसीन दिलरूबा फिल्म तो याद ही होगी. यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म थी. जिसमें तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे. यह फिल्म लोगों को बहुत पंसद आई थी. इस फिल्म में प्यार, धोखा और अपराध की दिल दहला देने वाली कहानी देखने को मिली थी.

वहीं, अब एक बार फिर से दर्शकों को ऐसी कहानी पर्दे पर देखने को मिलने वाली है. बहुत जल्द इस फिल्म का सीक्वेल 'फिर आई हसीन दिलरुबा' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा. इसकी रिलीज डेट को लेकर हाल में ही निर्माताओं ने जानकारी साझा की थी. अब इस निर्माताओं ने फिल्म के किरदारों की पहली झलक साझा की है.फिर आई हसीन दिलरुबा' एक बहुप्रतीक्षित सीक्वेल है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस बार फिल्म में तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी के साथ सनी कौशल भी फिल्म में नजर आने वाले हैं. निर्माताओं द्वारा इन किरदारों की पहली झलक साझा की गई है, जिसके बाद से फैंस का फिल्म को लेकर उत्साह और भी ज्यादा बढ़ गया है.बता दें कि, आज, 17 जुलाई को ये झलक जारी की गई है, जिसमें तीनों किरदार बारिश में खड़े नजर आ रहे हैं. इस दौरान दोनों अलग-अलग पोस्टरों में तापसी दोनों अभिनेताओं के साथ छतरी में नजर आ रही हैं. इस बीच सनी कौशल अपने एक हाथ में गुलाब का गुलदस्ता थामे नजर आ रहे हैं.

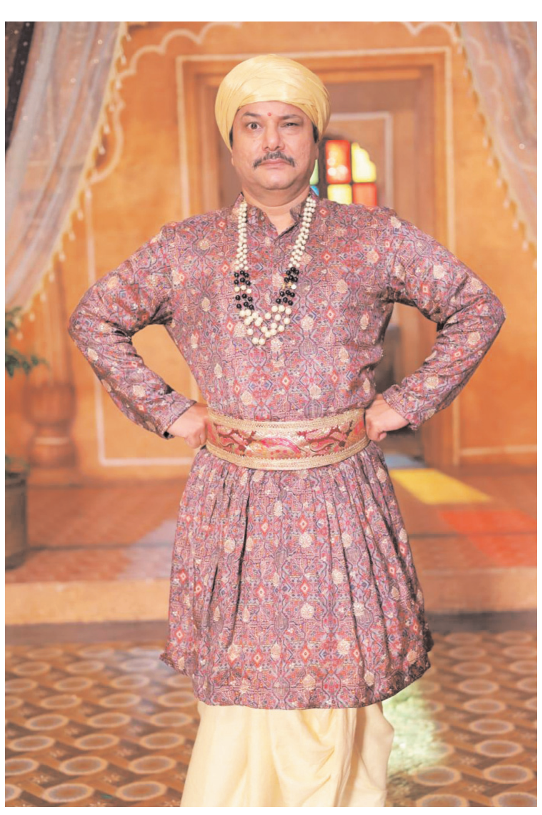

ध्रुव तारा में तिलकराज

ध्रुव तारा की दिल छूने वाली प्रेम कहानी से रूबरू कराता है. ध्रुव और तारा एक परिवार बनकर खुशहाल जीवन जीने के लिए 21वीं सदी में भागने की कोशिश करते हैं. हालांकि, समय यात्रा के भंवर में फंसकर वह 19वीं सदी में पहुंच जाते हैं, जहां वे दो विरोधी परिवारों में बच्चों के रूप में जन्म लेते हैं.

सोनी सब का 'ध्रुव तारा – समय सदी से परे' हमें 21वीं सदी के डॉक्टर ध्रुव (ईशान धवन) और 17वीं सदी की राजकुमारी तारा (रिया शर्मा) की दिल छूने वाली प्रेम कहानी से रूबरू कराता है. हालिया एपिसोड्स में, दर्शकों ने देखा कि ध्रुव और तारा एक परिवार बनकर खुशहाल जीवन जीने के लिए 21वीं सदी में भागने की कोशिश करते हैं. हालांकि, समय यात्रा के भंवर में फंसकर वह 19वीं सदी में पहुंच जाते हैं, जहां वे दो विरोधी परिवारों में बच्चों के रूप में जन्म लेते हैं.

अब जबकि ध्रुव और तारा एक नई सदी में अपनी ज़िंदगी के नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, शो में कई नए किरदार भी सामने आने वाले हैं. अपनी नई ज़िंदगी में, ध्रुव का जन्म 19वीं सदी के एक अमीर कुलीन परिवार में हुआ है.

रवि देसाई कहते हैं ,ध्रुव के चाचा तिलकराज का किरदार कर रहा हूँ ! परिवार के व्यापार को अपनी मेहनत से सजाया और संवारा और फैलाया है , बड़े भाई गिरिराज की बहुत इज़्ज़त करता है , हमेशा लगता है कि उसे उसकी मेहनत का हक़ पूरा नहीं मिला , पर किसी भी बात या चीज़ से कोई नाराज़गी होती है तो छिपा नहीं सकता तुरंत चेहरे पे भी दिखती है और सीधा सीधा मुँह पे बोल भी जाता है !

मेरे बड़े भाई जब अपने बेटे ध्रुव की शादी में , बिज़नेस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ध्रुव के नाम करने को होते है उस से एक आघात लगता है, ध्रुव किसी भी तरह से गिरिराज के क़रीब ना पहुँचे ऐसी कोशिश हमेशा अपने बेटे के साथ मिल के करता रहेगा.

विक्की ने बताए स्ट्रगल के दिन

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं. आज उनकी गिनती टॉप एक्टर्स में होती है. इन दिनों विक्की कौशल अपनी अपकमिंग फिल्म बैड न्यूज का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने अपने बुरे दौर को याद किया.बता दें कि, विक्की कौशल के छोटे भाई सनी भी इंडस्ट्री में कदम रख चुके हैं. वहीं उनके पिता शाम कौशल भी फिल्म डायरेक्टर हैं. अब फिल्म प्रमोशन के दौरान विक्की ने उन दिनों को याद किया जब उनके पिता स्ट्रगल कर रहे थे. एक्टर ने बताया कि काम नहीं मिलने की वजह से पिता अपनी जान तक गंवाने के लिए तैयार थे.

राज शमानी को दिए इंटरव्यू में विक्की कौशल ने कहा कि, %मेरे दादाजी की पंजाब के गांव में एक किराने की दुकान थी. उनकी कोई जमीन नहीं थी. मेरे पिता 1978 में इंग्लिश में एमए की डिग्री लेकर मुंबई आए थे लेकिन उनके पास कोई नौकरी नहीं थी. एक दिन, अपने दोस्तों के साथ शराब पीने के बाद, उसने घोषणा की कि वह मरना चाहता है. मेरे दादाजी बहुत चिंतित हो गए, इसलिए उन्होंने उसे मुंबई भेज दिया.

विक्की कौशल ने आगे कहा कि, जब मेरे पिता मुंबई गए तो वह स्वीपर के तौर पर काम करने के लिए तैयार थे. इस वजह से जब वो यंग थे तो उन्हें काफी स्ट्रगल करना पड़ा. इस फील्ड में काम की कोई सुरक्षा नहीं है. जब मुझे नौकरी मिली तो मेरे परिवार वाले काफी खुश थे लेकिन मैं जानता था कि अगर मैं इसे लेकर आगे बढ़ा तो मैं खुश नहीं रहूंगा.

दम लगा के हईशा से हुईं थीं फेमस भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अदाकारा भूमि पेडनेकर अपना 35वां जन्मदिन मना रही हैं. भूमि पेडनेकर ने यशराज फिल्म्स के प्रोडक्शन और शरत कटारिया के डायरेक्शन में 2015 में बनी रोमांटिक कॉमेडी दम लगा के हईशासे अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की. फिल्म में उन्होंने आयुष्मान खुराना की ओवरवेट पत्नी का किरदार निभाया था.बता दें, पेडनेकर को सिल्वर स्क्रीन पर आखिरी बार फिल्म भक्त में संजय मिश्रा, आदित्य श्रीवास्तव और साई ताम्हणकर के साथ देखा गया था. फिल्म का डायरेक्शन पुलकित ने किया था. अभिषेक चौबे की क्राइम ड्रामा फिल्म सोनचिड़िया पेडनेकर की 2019 की पहली रिलीज़ थी. उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत और मनोज बाजपेयी के साथ ग्रामीण चंबल में भागती हुई युवा घरेलू महिला का किरदार निभाया था.

नेहा ने की प्रतियोगी देवनश्रिया की तारीफ

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के होमग्रोन किड्स सिंगिंग रियलिटी शो, 'सुपरस्टार सिंगर 3', में जज नेहा कक्कड़ ने प्रतियोगी देवनश्रिया की तारीफ की.

इस वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का होमग्रोन किड्स सिंगिंग रियलिटी शो, 'सुपरस्टार सिंगर 3', महान सुपरस्टार, 'राजेश खन्ना' की विरासत को सेलिब्रेट करेगा. इस 'राजेश खन्ना स्पेशल' में, शो के प्रतिभाशाली युवा प्रतियोगी अपनी गायन क्षमता को प्रदर्शित करते हुए, राजेश खन्ना की फिल्मों के कुछ सदाबहार गाने गाकर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे. प्रसिद्ध गीतकार और लेखक, मनोज मुंतशिर, इस सेलिब्रेशन में शामिल होंगे और सुपरस्टार से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें शेयर करेंगे, जिससे हर कोई भारतीय सिनेमा में उनके महान कामों की यादों में खो जाएगा.

कई उल्लेखनीय परफ़ॉर्मेंस के बीच, प्रतियोगी देवनश्रिया के और अथर्व बख्शी कुछ तो लोग कहेंगे और मेरे नैना सावन भादों गानों पर परफ़ॉर्म करके सभी को हैरान कर देंगे. इन लिटि ?ल वंडर्स की भावनात्मक गहराई और सटीक प्रदर्शन के कारण उन्हें सभी से स्टैंडिंग ओवेशन मिलेगा, जिसमें मनोज मुंतशिर भी शामिल हैं, जिनकी आंखों में देवी के परफ़ॉर्मेंस के दौरान आंसू आ गए थे.

सुपर जज नेहा कक्कड़ ने देवनश्रिया की तारीफ करते हुए कहा, सिर से पैर तक, मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे! यदि जो परफ़ॉर्मेंस मैंने अभी देखा वह असली है, तो मेरे लिए यह यकीन करना मुश्किल कोई इतने परफेक्शन के साथ गा सकता है. सच कहूं तो, मैंने कभी किसी को इतने परफेक्शन से गाते नहीं सुना, खासकर इतनी कम उम्र में. यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि मैंने आज एक लेजेंड का पैदा होते हुए देखा है.

मनोज मुंतशिर ने कहा, देवी, आप वाकई किसी देवी की तरह गा रही थीं. राजेश खन्ना जी खुशनसीब थे कि वह इस गाने का हिस्सा बने, और ये गाने भी उन्हें पाकर धन्य हो गए. आपके परफ़ॉर्मेंस ने उनके बेजोड़ स्टारडम और महान काम की पूरी कहानी बयां कर दी. काका जहां भी होंगे, आपको आशीर्वाद दे रहे होंगे.

20 साल में फैशन के प्रति आकर्षित हुईं सोनम

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री और फैशन आईकॉन सोनम कपूर का कहना है कि वह 20 साल की उम्र में फैशन के प्रति आकर्षित हो गयी थी. सोनम कपूर, को भारत में फैशन आईकॉन माना जाता है.सोनम ने केवल अपने फैशन के जुनून का पालन किया और भारतीय और पश्चिमी डिजाइनरों से कपड़े उधार लिए ... और बाकी इतिहास है!

सोनम कपूर ने बताया, मैं सिर्फ वही पहनना चाहती थी जो मुझे पसंद था और जिन्हें मैं जानती थी. यह बस मेरा स्वयं होना था.मैंने अंतरराष्ट्रीय और भारतीय फैशन डिजाइनरों को सितारे माना.यह छवि को प्रोजेक्ट करने के बारे में नहीं था; यह मेरे फैशन के प्रति सच्चे प्रेम के बारे में था.मैंने महसूस किया कि लोग अक्सर कपड़े उधार नहीं लेते थे, इसलिए मैंने उधार लेना शुरू किया. हर समय सब कुछ खरीदना समझदारी नहीं थी. मैंने बहुत कुछ खरीदा, लेकिन उधार लेना अधिक व्यावहारिक था. यह प्रथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आम थी, लेकिन भारत में नहीं, इसलिए मैंने वही किया जो उस समय सही लगा. मैं एक 20 साल की लड़की थी, बस फैशन के प्रति अपने जुनून का पालन कर रही थी बिना किसी रणनीतिक इरादे के.

सोनम कपूर ने कहा,कला, सिनेमा, या फैशन के माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता का प्रतिनिधित्व करना एक विशेषाधिकार है. दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है. मैंने विदेश में मिले दक्षिण एशियाई लोग भी अपनी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करना पसंद करते हैं और जब लोग इसे पहचानते और समझते हैं तो उसकी सराहना करते हैं. चाहे वह संग्रहालय हो, रेड कार्पेट हो, या कोई भी मंच, मैं हर मौके का फायदा उठाती हूं.